



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 279]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 19, 2005/आश्विन 27, 1927

No. 279]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 19, 2005/ASVINA 27, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2005

सं. 63 (आर ई-2005)/2004—2009

फा. सं. 01/94/180/009/एम 06/पीसी-1.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार, प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. मौजूदा दूसरे उपपैरे जो “उपर्युक्त किसी कथन के बावजूद, औषधि और भेषज के निर्यातक केवल फार्मोक्सल से ही आरसीएमसी प्राप्त करेंगे” इस प्रकार है, के बाद पैरा 3.12 में, निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :

“इसके अलावा, लघु वन्य उत्पाद और उनके मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यातक शैलाक निर्यात संवर्धन परिषद् से आरसीएमसी प्राप्त करेंगे”।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE  
AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 19th October, 2005

No. 63 (RE-2005)/2004—2009

F. No. 01/94/180/009/AM 06/PC-L.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Handbook of Procedures (Vol. I) :

1. In para 3.12 after the existing 2nd sub-para which reads as “Notwithstanding anything stated above, exporters of Drugs and Pharmaceuticals shall obtain RCMC from Pharmexcil only”, the following shall be added :

“Further, exporters of minor forest produce and their value added products shall obtain RCMC from Shellac Export Promotion Council.”

This issues in public interest.

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade  
& ex-officio Addl. Secy.